Roll No. ..... Total Pages: 04

1151

I[st] YEAR ARTS EXAMINATION, 2018

संस्कृत साहित्य

प्रथम प्रश्न पत्र

काव्य नाटक एवं प्रायोगिक व्याकरण

Time: Three Hours
Maximum Marks: 100

PART – A (खण्ड – अ) *[Marks: 20]*

Answer all questions (50 words each).

All questions carry equal marks.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – B (खण्ड – ब) *[Marks: 50]*

Answer five questions (250 words each).

Selecting one from each unit. All questions carry equal marks.

*प्रत्येक इकाई से **एक–एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल पाँच प्रश्न कीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – C (खण्ड – स) *[Marks: 30]*

Answer any two questions (300 words each).

All questions carry equal marks.

*कोई **दो प्रश्न** कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।*

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड – अ

प्र.1 निम्न सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। शब्द सीमा– 50 शब्द।

इकाई – I

(i) मूर्खों का सभा में आभूषण क्या होता है?

(ii) ''सर्वे गुणाः काञ्चनम् आश्रयन्ति'' का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

इकाई – II

(iii) पराये धन और पराई स्त्री में कौन स्पृहा रखता है?

(iv) हंस के किस गुण को ब्रह्मा भी नहीं छीन सकता है?

इकाई – III

(v) उदयन कहाँ का राजा था?

(vi) वासवदत्ता किस राजा की पुत्री थी?

इकाई – IV

(vii) यौगन्धरायण कौन था?

(viii) पद्मावती का विवाह किसके साथ हुआ था?

इकाई – V

(ix) 'प्रतिनिविष्टम्' का प्रकृति प्रत्यय बतलाइये।

(x) 'यद्यस्ति' का सन्धिविग्रह कीजिए।

खण्ड – ब

इकाई – I

प्र.2 सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

येषां न विद्या न तपो न दानं,
ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः।
ते मृत्युलोके भुवि भारभूता,
मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति।।

अथवा

दानं भोगो नाशः तिस्रोगतयो भवन्ति वित्तस्य।
यो न ददाति न भुङ्क्ते तस्य तृतीया गतिर्भवति।।

इकाई – II

प्र.3 सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचै,
प्रारभ्य विघ्नविहता विरमन्ति मध्या।
विघ्नैः पुनः पुनरपि प्रतिहन्यमाना,
प्रारभ्य चोत्तमजनाः न परित्यजन्ति।।

अथवा

आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपुः।
नास्त्युद्यमसमो बन्धुः यं कृत्वा नावसीदति।।

इकाई – III

प्र.4 सप्रसंग व्याख्या कीजिएः

पद्मावती नरपतेर्महिषी भवित्री
दृष्टा विपत्तिरथ यैः प्रथमं प्रदिष्टा।
तत्प्रत्ययात् कृतमिदं न हि सिद्धवाक्या–
न्युत्क्रम्य गच्छति विधिः सुपरीक्षितानि।।

अथवा

पद्मावती बहुमता मम यद्यपि रूपशीलमाधुर्यैः।
वासवदत्ताबद्धं न तु तावन्मे मनो हरति।।

इकाई – IV

प्र.5 सप्रसंग संस्कृत व्याख्या कीजिएः

यदि तावदयं स्वप्नो धन्यमप्रतिबोधनम्।
अथायं बिभ्रमो वा स्याद्विभ्रमो ह्यस्तु मे चिरम्।।

अथवा

महासेनस्य दुहिता शिष्या देवी च मे प्रिया।
कथं सा न मया शक्या स्मर्तुं देहान्तरेष्वपि।।

इकाई – V

प्र.6 किन्हीं पाँच प्रयोगों पर व्याकरणात्म टिप्पणी करो–
(सन्धि, समास एवं प्रकृति–प्रत्यय विषयक)

(1) वैदग्ध्यकीर्तिम्
(2) गुणिसंगमः
(3) श्यानपुलिनाः
(4) प्रतिहतम्
(5) गुणाकरम्
(6) वासोपेताः
(7) अप्रतिबोधनम्
(8) अशक्ताः
(9) निर्मुच्यमानम्
(10) उत्क्रम्य

खण्ड– स

इकाई – I

प्र.7 नीतिशतक के आधार पर 'विद्वत्पद्धति' पर लेख लिखिए।

इकाई – II

प्र.8 नीतिशतक के आधार पर धन के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

इकाई – III

प्र.9 स्वप्नवासवदत्तम् के आधार पर उदयन का चरित्र चित्रण कीजिए।

इकाई – IV

प्र.10 स्वप्नवासदत्तम् नाटक की नाट्यकला एवं भाषा शैली पर लेख लिखिए।

इकाई – V

प्र.11 स्वप्नवासवदत्तम् नाटक के नामकरण की विवेचना कीजिए।